REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 7 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2018

जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि तथा भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।

Shaheena Begum
Assistant Professor , Dr.K.N.Modi University , Newai , Rajasthan.

सारांश

प्रत्येक समाज की उन्नति में अध्यापक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। प्रस्तुत शोध जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि तथा भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन हेतु किया गया है। शोध का मुख्य उद्देश्य जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि एवं भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन करना है। शोध न्यादर्श के अन्तर्गत उ0प्र0 के जनपद जालौन के जूनियर हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों का चयन किया गया। इसके अन्तर्गत 50 शिक्षक एवं 50 शिक्षिकाओं को न्यादर्श के रूप में लिया गया। शोधकर्ती द्वरा डा0 मीना बुद्धिसागर राथौड़ तथा मधुलिका वर्मा द्वारा निर्मित भूमिका प्रतिबद्धता तथा डा0 मीरा दीक्षित द्वारा निर्मित कार्यसन्तुष्टि मापनी का प्रयोग किया। प्रस्तुत अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन तथा टी–परीक्षण सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया। शोध अध्ययन के निष्कर्ष के आधार पर यह पाया गया कि शिक्षिकाओं एवं शिक्षकों, दोनों की कार्यसन्तुष्टि एवं भूमिका प्रतिबद्धता में कोई भी अन्तर नहीं है।

1.1 प्रस्तावना

शिक्षा मानव विकास का मूल साधन है। शिक्षा की यह प्रक्रिया शिक्षकों द्वारा संचालित होती है। शिक्षण प्रक्रिया का संचालन करने में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षकों की भूमिका प्रतिबद्धता तथा कार्यसन्तुष्टि महत्वपूर्ण बिन्दु है। जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता है। अतः स्पष्ट है कि किसी देश की शिक्षण प्रक्रिया को उन्नत करने के लिये उस देश के शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि तथा भूमिका आवश्यक हो जाता है।

1.2 शोध समस्या का चयन

इस शोध में शोधकर्ती ने शोध समस्या के रूप में निम्नलिखित समस्या का चयन किया–

''जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि तथा भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन ''

1.2.1 संक्रियात्मक पदों की परिभाषा

इस शोध में शोधकर्ती ने शोध समस्या के रूप में निम्नलिखित समस्या का चयन किया–

जूनियर हाईस्कूल स्तरः–

जूनियर हाईस्कूल स्तर 6 से 8 तक के शिक्षा का कार्यक्रम है इसमें कक्षा –5 को उत्तीर्ण करने के बाद प्रवेश दिया जाता है।

कार्यसन्तुष्टिः–

अपने कार्य अथवा पेशे से प्राप्त होने वाले आनन्द और सन्तोष को कार्य सन्तुष्टि कहा जा सकता है।

भूमिका प्रतिबद्धताः–

अध्यापक की भूमिका प्रतिबद्धता निश्चित नियमों और मानकों के अनुसार अध्यापक के व्यावहारिक प्रतिमान के प्रति प्रतिज्ञा या जिम्मेदारी है जो मुख्यतः छात्र उसके अपने व्यवसाय, समाज, माता–पिता और राष्ट्र से जुड़ी होती है।

1.2.2 शोध उद्देश्य

इस शोध के उद्देश्य निम्न प्रकार हैं:–

1. जूनियर हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. जूनियर हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

1.2.3 परिकल्पना

1. जूनियर हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है।
2. जूनियर हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों तथा शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि में सार्थक अन्तर है।

1.2.4 परिसीमांकन

प्रस्तुत अध्ययन की परिसीमायें निम्नलिखित हैं:–

1. प्रस्तुत शोधकार्य के लिये जिला जालौन के विकास खण्ड महेवा में सरकार द्वारा संचालित जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों को लिया गया है।
2. प्रस्तुत शोध में 100 शिक्षक–शिक्षिकाओं को लिया गया है जो जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों में अध्यापनरत् हैं।
3. प्रस्तुत शोध में उ0प्र0 के सरकारी जूनियर हाईस्कूल विद्यालयों में अध्यापनरत् शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के भूमिका प्रतिबद्धता एवं कार्य सन्तुष्टि चरों को ही अध्ययन में सम्मिलित किया गया है।

1.3 अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध समस्या के अध्ययन के लिये शोधकर्ती ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

शोधकर्ती ने जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के सरकारी जूनियर हाईस्कूल में अध्यापनरत् शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया है।

1.3.1 जनसंख्या एवं प्रतिदर्श का चयन

प्रतिदर्शन के चयन के रूप में शोधकर्ती ने उ0प्र0 के जनपद जालौन के विकास खण्ड महेवा का साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा चयन किया है। जिसमें प्रतिदर्श के रूप में 50 शिक्षक एवं 50 शिक्षिकाओं को शामिल किया है। विद्यालय के रूप में सिर्फ सरकारी जूनियर हाईस्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का चयन किया गया है।

इस अध्ययन में शोधकर्ती ने शोध समस्या के अध्ययन में निम्न चरों का प्रयोग किया है:–

कार्यसन्तुष्टि मापनी– डा0 मीरा दीक्षित द्वारा निर्मित अध्यापकों की व्यावसायिक सन्तुष्टि मापनी में 52 पद हैं। यह परीक्षण प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की व्यावसायिक सन्तुष्टि का मापन करता है।

भूमिका प्रतिबद्धता मापनी– डा0 मीना बुद्धिसागर राथौड़ तथा मधुलिका वर्मा द्वारा निर्मित अध्यापक की भूमिका प्रतिबद्धता मापनी में 58 पद हैं। यह मापनी 20 से 62 वर्ष के अध्यापकों की प्रतिबद्धता का मापन करती है।

1.3.2 शोध उपकरण

शोध की परिकल्पना तथा उद्देश्यों की पूर्ति के लिये दो प्रकार के चरों का प्रयोग किया गया है। पहला भूमिका प्रतिबद्धता तथा दूसरा कार्य सन्तुष्टि। इसी के माध्यम से शोधकर्ती ने शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को आंका कि वह अपने काय्र के प्रति कितने लगनशील हैं।

1.4 प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियां

शोधकर्ती ने शोध आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन तथा t परीक्षण आदि सांख्यिकीयों का प्रयोग किया है।

परिकल्पनाओं का परीक्षणः

शोध परिकल्पना (H_1):–जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक–शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है।

शून्य परिकल्पना ($H0_1$):–जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक–शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका–1

शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता से सम्बन्धित मध्यमान, मानक विचलन तथा tमान–

क्रमांक	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	df	t मान	सार्थकता स्तर
1	शिक्षक	50	123.5	9.33			0.05 स्तर पर असार्थक
2	शिक्षिकायें	50	124.4	5.91	98	0.5800	

उपर्युक्त तालिका संख्या–1 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि दोनों समूहों के मध्यमानों में 0.9 का अन्तर है। शिक्षक समूह का मानक विचलन 9.33 व शिक्षिकाओं के समूह का मानक विचलन 5.91 है तथा t का परिकलित मान 0.5806 प्राप्त हुआ है जो कि 98 स्वतंत्रता से कम है। अतः शोध की परिकल्पना (H^1) अस्वीकृत हुयी तथा शून्य परिकल्पना ($H0_1$) स्वीकृत हुयी।

उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक तथा शिक्षिकाओं के मध्य भूमिका प्रतिबद्धता में अन्तर नहीं है।

शोध परिकल्पना (H_2):–जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक–शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर है।

शून्य परिकल्पना ($H0_2$):–जूनियर हाईस्कूल के शिक्षक–शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका–2

शिक्षक तथा शिक्षिकाओं की कार्य सन्तुष्टि से सम्बन्धित मध्यमान, मानक विचलन तथा t मानः–

क्रमांक	चर	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	df	t मान	सार्थकता स्तर
1	शिक्षक	50	207.5	24.8			0.05 स्तर पर असार्थक
2	शिक्षिकायें	50	204.3	24.4	98	0.6517	

उपर्युक्त तालिका संख्या–2 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि दोनों समूहों के मध्यमानों में 3.2 का अन्तर है। शिक्षक समूह का मानक विचलन 24.8 व शिक्षिकाओं के समूह का मानक विचलन 24.4 है तथा t का परिकलित मान 0.6517 प्राप्त हुआ है जो कि 98 स्वतंत्रता अंश तथा 0.05 सार्थकता स्तर पर t सारणी के मान 1.98 से कम है। अतः शोध की परिकल्पना (H_2) अस्वीकृत हुयी तथा शून्य परिकल्पना ($H0_2$) स्वीकृत हुयी।

1.5 शोध परिणाम

1. शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की कार्य सन्तुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है।

1.6 अध्ययन के निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन के आधार पर शोधकर्ती ने पायाकि शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की कार्य सन्तुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है और शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की भूमिका प्रतिबद्धता में भी कोई सार्थक अन्तर नहीं है।अर्थात् हम यह कह सकते हैं कि शिक्षक–शिक्षिकाओं की कार्यसन्तुष्टि एवं भूमिका प्रतिबद्धता एक समान है एवं दोनों की कार्य सन्तुष्टि एवं भूमिका प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। इस अध्ययन के आधार पर हम यह कह सकते है कि शिक्षकों को अपने व्यवसाय से अधिक सन्तुष्टि मिलेता कि वे अपने शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावशाली बना सके।